

प्रेषक,

एम0एच0 खान,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 31 जनवरी, 2015

विषय : एस0पी0ए0 (पुनर्निर्माण) के अन्तर्गत जनपद चमोली के अन्तर्गत गोविन्दघाट में अलकनन्दा नदी के दायें तट पर बाढ़ सुरक्षा एवं पैदल मार्ग का पुनर्निर्माण की 01 निर्माणाधीन योजना में अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक 4434/मु0अ0वि0/बी-1 उपभोग प्रमाण-पत्र, दिनांक 29.12.2014 का सन्दर्भ ग्रहण करें। शासनादेश सं0 1072/11-2014-04(20)/2013, दिनांक 13.06.2014 के द्वारा एस0पी0ए0 (पुनर्निर्माण) के अन्तर्गत बाढ़ सुरक्षा की 04 योजनाओं, जिनकी कुल लागत ₹4032.60 लाख है, में वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 में ₹1737.41 लाख अवमुक्त किया गया था। आपके उक्त पत्र में उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव एवं धनराशि की मांग तथा भारत सरकार द्वारा निर्धारित उपभोग प्रमाण-पत्र 19-ए के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि एस0पी0ए0 (पुनर्निर्माण) के अन्तर्गत जनपद चमोली के अन्तर्गत गोविन्दघाट में अलकनन्दा नदी के दायें तट पर बाढ़ सुरक्षा कार्य (पार्ट-1, पार्ट-2 एवं पार्ट-3) एवं गोविन्दघाट में पैदल मार्ग का पुनर्निर्माण की निर्माणाधीन योजना लागत ₹1185.36 लाख के सापेक्ष अवमुक्त धनराशि ₹550.00 लाख को समायोजित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अवशेष सम्पूर्ण धनराशि ₹550.00 लाख (₹ पाँच करोड़ पचास लाख मात्र) व्यय हेतु आपके निवर्तन पर निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा एस0पी0ए0/केन्द्रपोषित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा।
- (ii) सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित विभागाध्यक्ष व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (iii) धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
- (iv) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की आगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी।
- (v) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (vi) जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।
- (vii) मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- (viii) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागाध्यक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (ix) कार्य करने से पूर्व अनुमत्य दर सूची आधार पर गठित विस्तृत आगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

क्रमशः.....2

- (x) त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2015 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- (xi) सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता, सिंचाई द्वारा प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (xii) धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- (xiii) उल्लिखित कार्यों/योजनाओं पर मानकानुसार यथाप्रक्रिया भारत सरकार आदि का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा। आगणन में स्वीकृत डिजाइन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- (xiv) प्रश्नगत योजनाओं पर शेष 50% धनराशि उस दशा में अवमुक्त की जायेगी, जब योजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र विभाग द्वारा उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा सभी स्वीकृतियाँ भारत सरकार आदि से प्राप्त कर ली गयी हैं।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान सं० 20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-01-बाढ़ नियंत्रण-103-सिविल निर्माण कार्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-01-त्वरित सिंचाई लाभ एवं बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम (आपदा पैकेज सहित)-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 639/XXVII(2)/2014, दिनांक 21 जनवरी, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(एम०एच० खान)
प्रमुख सचिव।

संख्या:- 681/सा० (1)/ 11-2014-04(20)/2013, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी, चमोली।
7. कोषाधिकारी, देहरादून/चमोली।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
10. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
11. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव।